

न्यायालय भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी, सीकर

..... बनाम .....  
 किस्म मुकदमा..... राजा-चन्द ..... मु.नं० ..... वर्ष.....  
 राजा-चन्द ..... राजा-चन्द ..... वर्ष.....  
 राजा-चन्द ..... मु.नं० ..... वर्ष.....  
 राजा-चन्द ..... वर्ष.....

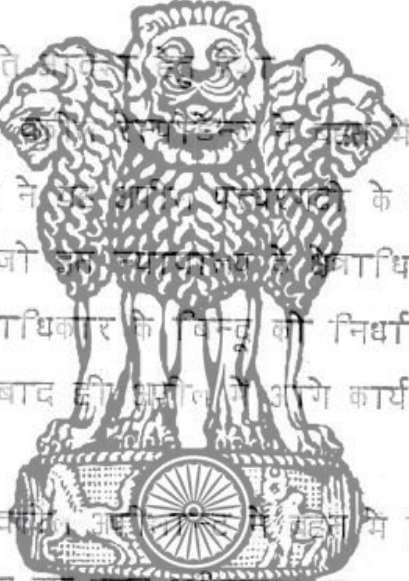
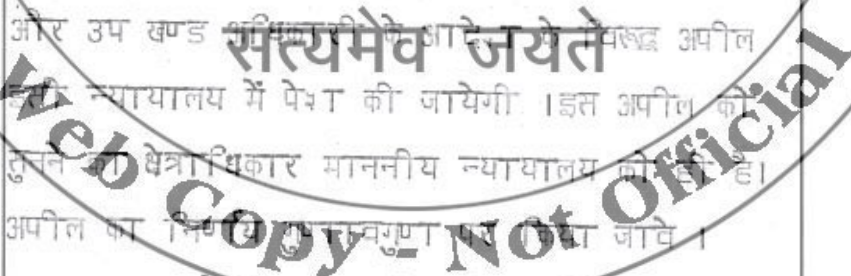
29.6.18

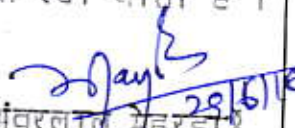
पत्रावली वास्ते अर्पित किया गया।  
 विद्वान (कॉन्सल्टेंट) ने न्यायालय में कथन किया कि अपीलान्ट ने उक्त अपील पत्रावली के आदेश के विरुद्ध की है जो उक्त न्यायालय के क्षेत्राधिकार की नहीं है। पहले क्षेत्राधिकार के विन्दू को निर्धारित किया जावे। इसके बाद ही अपील में आगे कार्यवाही की जावे।

विद्वान (कॉन्सल्टेंट) ने न्यायालय में निवेदन किया कि यह आदेश उप खण्ड अधिकारी का आदेश है और उप खण्ड अधिकारी के आदेश के विरुद्ध अपील इस न्यायालय में पेश की जायेगी। इस अपील को लुप्त कर क्षेत्राधिकार माननीय न्यायालय को देना है। अपील का निष्पत्ति सुनाने के लिए पेशा जावे।

बहस बगौर समाप्त की गई। अदालत मातहत में रिसपोडेन्ट सं०-1 ने एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111 व 128 राज० भू-राजस्व अधिनियम 1956 के तहत पेशा की है। उक्त धाराओं में अदालत मातहत द्वारा कोई आदेश पारित किया जाता है/उसकी अपील इस न्यायालय के श्रवणाधिकार में नहीं है। एव इन धाराओं में पारित आदेशों की अपील माननीय सम्भागीय आयुक्त के न्यायालय के श्रवणाधिकार की है। अतः अपीलान्ट की अपील क्षेत्राधिकार में नहीं होने पर खारिज किया जाना उचित मानते हैं।

*(Handwritten signature)*



दिनांक	आज्ञा पत्र	
	<p>उपरोक्तानुसार अपील अपीलान्ट खारिज की जाती है तथा विद्वान उप खण्ड अधिकारी नवलगढ का निर्णय दिनांक 9-6-2017 यथावत रखा जाता है । निर्णय सुनाया गया ।</p> <p> शंवरलाल मेहरड़ा भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी सीकर</p>	